

उन्नति, सोशल स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होने वाली पहली इकाई बनी

स्रोत: बजिनेस लाइन

हाल ही में **SGBS उन्नति फाउंडेशन (SUF)**, **सोशल स्टॉक एक्सचेंज (SSE)** पर सूचीबद्ध होने वाली पहली इकाई बन गई। उक्त फाउंडेशन का उन्नति कार्यक्रम 18 से 25 वर्ष की आयु के वंचित और बेरोज़गार युवाओं के लिये व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करता है।

- **SUF**, एक गैर-लाभकारी संगठन (NPO) है, जिससे वर्ष 2011 में स्थापति कियी गयी थी।
- सोशल स्टॉक एक्सचेंज के साथ पंजीकरण करने के बाद एक गैर-लाभकारी संगठन **ज़ीरो कूपन ज़ीरो प्रसिपिल इंडस्ट्रिज़** जारी करके SSE पर धन जुटा सकता है।

सोशल स्टॉक एक्सचेंज (SSE) क्या है?

- **सोशल स्टॉक एक्सचेंज (SSE)**, **केंद्रीय बजट वर्ष 2019-20** में पेश कियी गयी थी जिसका उद्देश्य सामाजिक उद्यम, स्वैच्छिक तथा कल्याणकारी संगठनों को सूचीबद्ध कर एक मंच प्रदान करना था जिसकी सहायता से वे पूंजी जुटा सकें।
 - सामाजिक उद्यम से आशय ऐसे उद्यम से है जिसकी प्रकृति **हानि-रहित** है, **लाभांश का भुगतान नहीं** करता है तथा जिसकी स्थापना **सामाजिक मुद्दों को हल करने** के उद्देश्य से की गई है।
- यह बाज़ार नियामक **भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (SEBI)** के तहत कार्य करता है।
 - इस पहल का उद्देश्य उन **सामाजिक एवं स्वैच्छिक संगठनों** की मदद करना है जो **इकॉमि** अथवा **ऋण** अथवा **मयुचल फंड** की एक इकाई के रूप में पूंजी जुटाने के लिये **सामाजिक कारणों** से कार्य करते हैं।
- यह वदेशी सहायता से भारत की स्वतंत्रता को प्रदर्शित करते हुए, सामाजिक कल्याण परियोजनाओं के लिये वित्तपोषण के नवीन तथा कफायती स्रोत प्रदान करता है।
- **SEBI** ने **SSE** पर पंजीकृत सामाजिक उद्यमों को **ज़ीरो कूपन ज़ीरो प्रसिपिल बॉण्ड (ZCZP)** के माध्यम से धन जुटाने की अनुमति दी थी।

ज़ीरो कूपन ज़ीरो प्रसिपिल (ZCZP) क्या है?

- **परिचय:**
 - 'ज़ीरो कूपन, ज़ीरो प्रसिपिल' उपकरण स्टॉक अथवा बॉण्ड नहीं हैं अपितु SSE में सूचीबद्ध NPO को पूंजी दान करने के उपकरण हैं।
 - **ZCZP बॉण्ड** ऋण प्रदान नहीं करते हैं तथा नविशकों को बॉण्ड की परिपक्वता पर कोई पूंजी प्रदत्त नहीं की जाती है।
 - **गैर-लाभकारी संगठनों द्वारा जारी ZCZP बॉण्ड SSE पर सूचीबद्ध हैं। द्वितीयक बाज़ार में उनके व्यापार की उपलब्धता नहीं** होती है कति अधिक उत्तराधिकारियों को उनका अंतरण कियी जा सकता है क्योंकि वे वभौतिकीय (डीमैटरियलाइज़्ड) रूप में जारी किये जाते हैं।
 - **लाभकारी संगठनों** द्वारा जारी किये गए समान ZCZP बॉण्ड एक्सचेंजों के मुख्य बोर्ड अथवा **SME प्लेटफॉर्म** पर सूचीबद्ध किये जा सकते हैं तथा **द्वितीयक बाज़ार में व्यापार के लिये उपलब्ध** होते हैं।
- **लाभ:**
 - ZCZP एक चैरिटी के लिये दिये गए दान के समान है। **सामाजिक उद्यम के उद्देश्य में पारदर्शिता** बढ़ी है। चूँकि उद्यमों को उनके द्वारा उपयोग की गई धनराशि तथा एक्सचेंजों के लिये राशिके बारे में जानकारी प्रदान करने की आवश्यकता होती है इसलिये धन के अंतिम उपयोग को भी ट्रैक कियी जा सकता है।
 - लसिंग सामाजिक उद्यमों को दृश्यता प्रदान करती है और यदि वे अच्छे परिणाम दिखा सकते हैं तो उन्हें **नियमि अंतराल पर जनता से संपर्क करने में मदद मिलती है।**

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न1. भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजिये: (2020)

1. 'वाणज्यिक पत्र (Commercial Paper)' अल्पकालीन प्रतभूत-रिहति वचन-पत्र है।
2. 'जमा प्रमाण-पत्र (Certificate of Deposit)' भारतीय रज़िर्व बैंक द्वारा किसी नगिम को नरिगत जाने वाला एक दीर्घकालीन-प्रपत्र है।
3. 'शीघ्रावधि दरव्य (Call Money)' अंतरबैंक लेन-देनों के लयि प्रयुक्त अल्प अवधि का वतित है।
4. 'शून्य-कूपन बॉण्ड (Zero-Coupon Bonds)' अनुसूचति वयापारकि बैंकों द्वारा नगिमों को नरिगत कयि जाने वाले ब्याज सहति अल्पकालीन बॉण्ड हैं।

उपरयुक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 4
- (c) केवल 1 और 3
- (d) केवल 2, 3 और 4

उत्तर: C

व्याख्या:

- वाणज्यिक पत्र (Commercial Paper) एक असुरकषति मुद्रा बाज़ार साधन है जो प्रॉमिसरी नोट के रूप में जारी कयि जाता है और SEBI द्वारा अनुमोदति व पंजीकृत किसी भी डर्पिोज़टिरी के माध्यम से डीमैटेरयिलाइज़्ड रूप में रखा जाता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- जमा प्रमाणपत्र एक परकराम्य मुद्रा बाज़ार लखित है जसि डीमेट रूप में या एक नरिदषिट समय अवधि के लयि किसी बैंक या अन्य पात्र वतितय संस्था में जमा की गई नधि के लयि मयिदी वचन-पत्र के रूप में जारी कयि जाता है। CDs कषेतरीय ग्रामीण बैंकों (RRB) और स्थानीय कषेतरीय बैंकों (LAB) को छोड़कर (i) अनुसूचति वाणज्यिक बैंकों तथा (ii) RBI द्वारा नरिधारति दायरे के अंतरगत अल्पकालकि संसाधनों को बढ़ाने के लयि RBI द्वारा अनुमतिप्राप्त चुनदि अखलि भारतीय वतितय संस्थानों (FAI) द्वारा जारी कयि जा सकते हैं। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- कॉल मनी एक वतितय संस्थान द्वारा किसी अन्य वतितय संस्थान को दयि गए 1 से 14 दनिों के भीतर भुगतान योग्य अल्पकालकि, ब्याज-भुगतान ऋण है। **अतः कथन 3 सही है।**
- ये वे बॉण्ड होते हैं जहाँ जारीकरत्ता परपिकवता तथितिक धारक को कोई कूपन भुगतान प्रदान नहीं करता है। यहाँ बॉण्ड अंकति मूल्य राशा से कम और परपिकवता की तारीख पर जारी कयि जाते हैं। बॉण्ड को अंकति मूल्य की राशापर भुनाया जाता है। **अतः कथन 4 सही नहीं है।**

अतः विकल्प C सही उत्तर है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/unnati-becomes-the-first-entity-to-list-on-the-social-stock-exchange>